Shree Govind Guru University

VINZOL, Gujarat.

(Established by Government of Gujarat Vide Gujarat Act No.24/2015)

श्री गोविंद गुरु यूनिवर्सिटी, विंझोल, गोधरा-गुजरात

कला संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

NEP 2020 CREDIT STRUCTURE FOR
B.A. (U.G) FROM JUNE : 2024

U.G. COURSES IN HINDI NEP- 2020
Semester - IV

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)
(With effect from the Academic Year : 2024-25)
BY
BOARD OF STUDIES – HINDI

Shri Govind Guru University,Vinzol, Godhra

Sr.No	Name	Designation
1	Prin.Dr.Abhay V Parmar Prin.Adivasi Arts And Commerce College, Santarampur	Chairman
2	Dr.Sushila S Vyas Associate Professor Smt.C.R.Gardi Arts College,Munpur	Member
3	Dr.Suresh B. Patel Associate Professor Y.S.Arts And K.S.Shah Commerce College,Devgadhbaria	Member
4	Prof.Dr.B.K.Kalasava H.O.D Hindi Deapartment Saurashtra University,Rajkot	Co-Opted Member
5	Dr.Jayantibhai Patel Associate Professor Shri J.L.K.Kotecha Arts And Smt.S.H.Gardi Commerce college,Kankanpur	Co-Opted Member
6	Dr.Bharat Bodhar Associate Professor Navjivan Arts And commerce College,Dahod	Co-Opted Member

UG COURSES IN HINDI CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
NEP

SEMESTAR – IV

Course Type	Course Code	Name of Course	Theory /Practical	Total Credit	Contact Hours Per week	Exam duration in hours	Component of Marks		
							Internal	External	Total
							Total/	Total/	Total/
Discipline Specific Course- **Major-1**	BA23MJ 4HN1	हिन्दी नाटक और एकांकी	Theory	4	4		50%	50 %	100%
Discipline Specific Course- **Major-2**	BA23MJ 4HN2	विशिष्ट साहित्यकार मन्नू भंडारी	Theory	4	4		50%	50 %	100%
Discipline Specific Course- **Major-3**	BA23MJ 4HN3	हिन्दी साहित्य का इतिहास सगुण भक्तिकाल और रीतिकाल	Theory	4	4		50%	50 %	100%
Discipline Specific Course- **Minor – 1**	BA23MN 4 HN1	हिन्दी नाटक और एकांकी	Theory	4	4		50%	50 %	100%

AEC ABILITY ENHANCEMENT	BA23AE4HN1	रचनात्मक लेखन	Theory	2	2		50%	50 %	100%
SEC Skill Enhancement	BA023SE403	जन संचार माध्यम	Theory	2	2		50%	50 %	100%
VAC/IKS	BA023VA403	हिन्दी कहानी में मानव मूल्य	Theory	2	2		50%	50 %	100%

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : IV

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR – 1 HINDI (मुख्य हिन्दी)

BA23MJ4HN1

हिन्दी नाटक और एकांकी

पाठ्य पुस्तक 1 : हानूश – भीष्म साहनी , प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक 2 : एकांकी सुधा - संपादक : नवनीत चौहान

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थी भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे ।
2. विद्यार्थी नाटक और एकांकी के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।
3. विद्यार्थी नाट्य कला से परिचित होगे ।
4. विद्यार्थी ऐतिहासिकता और किंवदंती के अंतर को समझेंगे ।
5. विद्यार्थी नाटक और एकांकी का पठन करेंगे, उसका विश्लेषण करते हुए प्रासंगिकता समझेंगे।

।पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र नाटक और एकांकी के स्वरूप और महत्त्व को समझे।
2. छात्रों ने नाटककार का परिचय प्राप्त किया।
3. छात्र नाट्यकला से अवगत हुए।
4. छात्र नाटक में निहित ऐतिहासिकता , किंवदंती , प्रासंगिकता से परिचित हुए।
5. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों में रचनात्मक कौशल के साथ साथ मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

पाठ्य पुस्तक 1 : हानूश – भीष्म साहनी , प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक 2 : एकांकी सुधा - संपादक : नवनीत चौहान

यूनिट	पाठ्यक्रम		
1			अंक
	नाट्य विधा एवं रचनाकार का परिचय .	नाटक : परिभाषा और स्वरूप नाटक और एकांकी के तत्व एवं दोनों मे अंतर भीष्म साहनी के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय। हानूश की कथावस्तु	20%

2	नाटक : तात्विक समीक्षा	नाट्य तत्वों के आधार पर हानूश की समीक्षा हानूश की पात्रयोजना, हानूश का रंगमंच की दृष्टि से मूल्यांकन हानूश : किंवदंती, ऐतिहासिकता और प्रासंगिकता	20%
3	एकांकी पठन एवं विवेचना टिप्पणी के लिए	ताँबे के कीड़े राजरानी सीता पर्दे के पीछे	20%
4	ससंदर्भ व्याख्या	हानूश और एकांकी से	20%
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
3. नयी रंग चेतना और हिन्दी के नाटककार – जयदेव तनेजा
4. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
5. रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक

6. हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन – भुवनेश्वर महतो
7. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन
8. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
9. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
10. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
11. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचनाकार- राजेश्वर सक्सेना
12. भीष्म साहनी की नाट्यकला – सागर तरसेंम
13. नाटककार भीष्म साहनी – डॉ। सुरैया शेख
14. आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता
15. मेरे साक्षत्कार – संपा भीष्म साहनी
16. eGyankosh

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : IV

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR – 2 HINDI (मुख्य हिन्दी)

BA23MJ4HN2

विशिष्ट साहित्यकार : मन्नू भण्डारी

पाठ्य पुस्तक १ आपका बंटी प्रकाशक राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

२ प्रातिनिधि कहानियाँ मन्नू भण्डारी , प्रकाशक राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को पाठ्यगत साहित्यिक विधा से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों को लेखिका के व्यक्तित्व , कृतित्व और रचनागत वैशिष्ठ्य से परिचित कराना।
3. विद्यार्थियों को उपन्यास और कहानी में निहित उद्देश्य और प्रासंगिकता को समझाना।
4. विद्यार्थियों की सर्जनात्मक शक्ति का विकास करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र साहित्य की उपन्यास एवं कहानी विधा के स्वरूप से परिचित हुए।
2. छात्र लेखिका के समग्र व्यक्तित्व से परिचित हुए।
3. उपन्यास और कहानी में निहित मानवीय मूल्य, निर्दोष प्रेम, आदर्श और यथार्थ तथा जीवन के तमाम पहलुओं को समझे।
4. छात्रों ने साहित्य दोनों विधाओं के तत्वों एवं कथ्य और शिल्प के बारे में जानकारी प्राप्त की ।
5. इस पाठयक्रम को पढ़कर छात्रों में सर्जनात्मक शक्ति के साथ साथ मानवीय मूल्यों का विकास होगा।

विशिष्ट साहित्यकार : मन्नू भण्डारी

पाठ्य पुस्तक १ आपका बंटी (उपन्यास) प्रकाशक , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

२ प्रातिनिधि कहानियाँ मन्नू भण्डारी , प्रकाशक, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

यूनिट		पाठ्यक्रम	अंक
1	रचनाकार का परिचय	मन्नू भण्डारी व्यक्तित्व और कृतित्व परिचय रचनात्मक वैशिष्ट्य आपका बंटी की कथावस्तु	20%
2	उपन्यास : समीक्षा	आपका बंटी की समीक्षा आपका बंटी के प्रमुख चरित्र आपका बंटी में बाल मनोविज्ञान आपका बंटी की समस्या	20%
3	कहानियों से टिप्पणी	अकेली खोट्टे सिक्के दो कलाकार	20%
4	ससन्दर्भ व्याख्या	उपन्यास एवं कहानियों से संदर्भ	20%
5		उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे	20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of theEvaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. साहित्य में गद्य की नई विधाएँ – कैलाशचन्द्र भाटिया
3. साहित्यिक विधाएँ – पुनर्विचार – हरिमोहन
4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
5. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य – हरदयाल
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. कथाकार मन्नू भंडारी – अनीता राजूरकर
9. मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकताबोध – किशोर गिरड़कर
10. मन्नू भंडारी का कथासाहित्य – गुलाब हाड़े
11. मन्नू भंडारी का उपन्यास साहित्य – नंदिनी मिश्र
12. कथालेखिका मन्नू भंडारी – ब्रजमोहन शर्मा
13. मन्नू भंडारी : एक अध्ययन - माधुरी बाजपेयी
14. मन्नू भंडारी के कथासाहित्य का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – ममता शुक्ला
15. मन्नू भंडारी का कथा साहित्य संवेदना और शिल्प – सुषमा पाल
16 मन्नू भण्डारी का कथा संसार – डॉ . दिलीप मेहरा
17 . eGyankosh
18 . http://gadyakosh.org

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : IV

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MAJOR-3 HINDI (हिन्दी मुख्य)

BA23MJ4HN3

हिन्दी साहित्य का इतिहास सगुण भक्तिकाल और रीतिकाल

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को भक्ति की विविध धाराओं से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों को तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक आदि तमाम परिस्थितियों की जानकारी देना।
3. विद्यार्थियों को सगुण भक्ति के स्वरूप एवं विशेषताओं से अवगत कराना।
4. विद्यार्थियों को हिन्दी के रीतिकालीन साहित्य से परिचित कराना।
5. विद्यार्थियों को सगुण भक्ति शाखा के प्रमुख कवियों एवं रचनाओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र भक्ति की विविध धाराओं को समझे।
2. छात्रों ने तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक आदि तमाम परिस्थितियों का परिचय प्राप्त किया।
3. छात्र भक्ति के स्वरूप से अवगत हुए।
4. छात्र हिन्दी की रीतिकालीन परंपरा से परिचित हुए।
5. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्र हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल और रीतिकाल के इतिहास और ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे और उनमें मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

यूनिट	हिन्दी साहित्य का आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल (इतिहास) पाठ्यक्रम		
1	1	वैष्णव भक्ति के प्रतिष्ठापक प्रमुख आचार्य	20%
	2	सगुण भक्ति का स्वरूप	
	3	सगुण भक्ति की विशेषताएँ	
2	**भक्तिकाल**		
	1	रामभक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ	20%

	2	कृष्णकाव्य की प्रवृत्तियाँ	
	3	अष्टछाप का सामान्य परिचय	
3			
	1	रीतिकाल का नामकरण और सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियाँ	20%
	2	रीतिकाल की सामान्य विशेषताएं	
	3	रीतिकाल की प्रमुख धाराएँ (रीतिसिद्ध ,रीतिबद्ध , रीतिमुक्त)	
4	**प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ**		
	1	तुलसीदास , सूरदास, मीराबाई , केशव , देव	20%
	2	प्रमुख रचनाएं – रामचरितमानस , सुदामा चरित(नरोत्तम दास), बिहारी सतसई, घनानन्द कवित्त , रामचंद्रिका	
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

EvaluationPattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं.डॉ. नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी

7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
10. भक्तिकाव्य पुनर्पाठ – प्रो. दयाशंकर
11. भारतीय भक्ति साहित्य – डॉ.राजमल वोरा
12. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
13. भक्ति आंदोलन और काव्य – गोपेश्वर सिंह
14. भक्ति के आयाम – डॉ. पी.जयरामन
15 सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
16 तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
17 Kavita Kosh.org
18 hindikavykosh.in
19 e-PG Pathshala
20 ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India
21 epustakalay.com
22 eGyankosh
23 hindikunj.com
24 रामचरितमानस – संपादक सुधाकर सिंह

Shri Govind Guru University.Vinzol

Semester : IV

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE MINOR – 1 HINDI

BA23MN4HN1

हिन्दी नाटक और एकांकी

पाठ्य पुस्तक 1 : हानूश – भीष्म साहनी , प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक 2 : एकांकी सुधा - संपादक : नवनीत चौहान

Credit: 4

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. विद्यार्थी भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे ।
2. विद्यार्थी नाटक और एकांकी के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।
3. विद्यार्थी नाट्य कला से परिचित होगे ।
4. विद्यार्थी ऐतिहासिकता और किंवदंती के अंतर को समझेंगे ।
5. विद्यार्थी नाटक और एकांकी का पठन करेंगे, उसका विश्लेषण करते हुए प्रासंगिकता समझेंगे ।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र नाटक और एकांकी के स्वरूप और महत्त्व को समझे।
2. छात्रों ने नाटककार का परिचय प्राप्त किया।
3. छात्र नाट्यकला से अवगत हुए।
4. छात्र नाटक में निहित ऐतिहासिकता , किंवदंती , प्रासंगिकता से परिचित हुए।
5. इस पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों में रचनात्मक कौशल के साथ साथ मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

पाठ्य पुस्तक 1 : हानूश – भीष्म साहनी , प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक 2 : एकांकी सुधा - संपादक : नवनीत चौहान

यूनिट	पाठ्यक्रम	
1		अंक

	नाट्य विधा एवं रचनाकार का परिचय .	नाटक : परिभाषा और स्वरूप नाटक और एकांकी के तत्व एवं दोनों मे अंतर भीष्म साहनी के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय। हानूश की कथावस्तु	20%
2	नाटक : तात्विक समीक्षा	नाट्य तत्वों के आधार पर हानूश की समीक्षा हानूश की पात्रयोजना, हानूश का रंगमंच की दृष्टि से मूल्यांकन हानूश : किंवदंती, ऐतिहासिकता और प्रासंगिकता	20%
3	एकांकी पठन एवं विवेचना टिप्पणी के लिए	ताँबे के कीड़े राजरानी सीता पर्दे के पीछे	20%
4	ससंदर्भ व्याख्या	हानूश और एकांकी से	20%
5	उपरोक्त यूनिट से दस अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे		20%

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching, powerpoint presentatione-learning,use of library, e resource,seminar,workshop,symposium,quiz,students exchang eprogram, guest lecture.

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %

2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
3. नयी रंग चेतना और हिन्दी के नाटककार – जयदेव तनेजा
4. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
5. रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक
6. हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन – भुवनेश्वर महतो
7. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन
8. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
9. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
10. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
11. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचनाकार- राजेश्वर सक्सेना
12. भीष्म साहनी की नाट्यकला – सागर तरसेंम
13. नाटककार भीष्म साहनी – डॉ। सुरैया शेख
14. आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता
15. मेरे साक्षत्कार – संपा भीष्म साहनी
16. eGyankosh

Shri Govind Guru University ,Vinzol

Semester : IV

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (हिन्दी)

BA23AE4HN1

रचनात्मक लेखन

Credit: 2

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को रचनात्मक लेखन को समझाना।
2. छात्रों को रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छात्रों को वैश्वीकरण के युग में रचनात्मक लेखन की महत्ता समझाकर रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में केरियर बनाने के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र रचनात्मक लेखन के स्वरूप को समझे।
2. छात्र रचनात्मक लेखन की प्रकृति और प्रकारों से परिचित हुए।
3. छात्र रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया को समझे।
4. इस पाठ्यक्रम से छात्र वर्तमान युग में रचनात्मक लेखन के महत्व को समझकर रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित होंगे। इस क्षेत्र में केरियर बनाने के इच्छुक छात्रों को लाभ होगा।

यूनिट	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

1	
	कविता : संवेदना , काव्यरूप , भाषा- सौष्ठव , छंद , लय, गति और तुक कथा साहित्य : वस्तु , पात्र ,परिवेश और विमर्श
2	नाट्य साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश और रंगकर्म विविध गद्य विधाएँ : संस्मरण , रेखाचित्र
3	रचनात्मक लेखन कौशल - मेरा महाविद्यालय - मेरे महाविद्यालय का पुस्तकालय - यात्रा संस्मरण

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching , power point presentation e-learning,use of library resources seminar,workshop,symposium quiz,students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन संपादक - रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

2. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता - प्रो जय मोहन एस, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

3.भाषा के विविध रूप और अनुवाद - प्रो कृष्ण कुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

4 सृजनात्मक लेखन – डॉ। राजेंद्र मिस्र , तक्षशिला प्रकाशन

5 e -GyanKosh

6 e-PG Pathshala

Shri Govind Guru University ,Vinzol

Semester: IV

SKILL ENHANCEMENT COURSE (हिन्दी)

BA023SE403

जनसंचार माध्यम

Credit: 2

पाठ्यक्रम का उदेश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को जनसंचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित कराना।
2. जनसंचार माध्यम के महत्व से छात्रों को परिचित कराना।
3. छात्रों को जनसंचार के प्रकारों से परिचित कराना।
4. छात्रों को जनसंचार के कार्यों एव उद्देश्य से अवगत कराना।
5. छात्रों मे संचार कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र जनसंचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित हुए।
2. छात्र जनसंचार की उपयोगिता एवं महत्व को समझे।
3. छात्रों में जनसंचार कौशल विकसित हुआ।
4. छात्र जनसंचार के प्रकारों से अवगत हुए।
5. छात्र जनसंचार के कार्यों एवं उद्देश्य से परिचित हुए ।
6. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को विभिन्न संचार माध्यमों में रोजगार की संभावनाए बढ़ेगी और व्यवहारिक जीवन के विविध क्षेत्रो मे संचार माध्यमों का ज्ञान उपयोगी रहेगा ।

यूनिट	पाठ्यक्रम	

1	जनसंचार का अर्थ ,स्वरूप और परिभाषा , महत्व जनसंचार के प्रकार	
2	भारत की पुरानी संचार व्यवस्थाएँ जनसंचार माध्यम और भाषा की भूमिका श्राव्य मीडिया- लेखन	
3	रेडियो की उपयोगिता एवं उसकी लोकप्रियता संचालन एवं उदघोषणा ,वार्ता एवं परिचर्चा	

Teaching- Learning Methodology	black board Teaching power point presentation e-learning,use of library resources seminar,workshop,symposium quiz,students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern		
Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ . विनोद गोदरे , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप -कैलाश चन्द्र भाटिया तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग पब्लिकेशन

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.नरेश मिश्र, डॉ.सुरेश सिंहल – अभिनव प्रकाशन दिल्ली

5. मीडिया लेखन – डॉ ० चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , दिल्ली।

6 संचार और संचार माध्यम – डॉ ० चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , दिल्ली।

7 संचार से जनसंचार और जनसम्पर्क तक – बलवीर कुंदरा , के ० के पब्लिकेशन

8 आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली।

9 जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी , जयभारती प्रकाशन।

10 जन पत्रकारिता , जनसंचार और जनसंपर्क – प्रो ० सूर्यप्रकाश दीक्षित , संजय प्रकाशन ,।

11 . eGyanKosh

12 e pathshala

Shri Govind Guru University,Vinzol

Semester : IV

VALUE ADDED COURSE (हिन्दी)

BA023VA403

हिन्दी कहानी में जीवन मूल्य

Credit: 2

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course Objectives) :

1. छात्रों को मूल्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित करवाना।
2. छात्रों को मूल्य शिक्षा के महत्व को समझाना।
3. छात्रों में मानवीय मूल्य विकसित करना।

पाठ्यक्रम की परिलब्धियाँ (course Outcomes) :

1. छात्र मूल्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित हुए ।
2. छात्र मूल्य शिक्षा के महत्व को समझे ।
3. छात्रों में मानवीय मूल्य विकसित होंगे ।

यूनिट		
1		मूल्य की अवधारणा और स्वरूप मूल्य शिक्षा की आवश्यकता और महत्व
		कहानियों का मूल्य आधारित विवेचन करना
2	प्रेमचंद सुदर्शन	नमक का दारोगा हार की जीत

3	मोहन राकेश उषा प्रियंवदा	मलबे का मालिक वापसी

Teaching- Learni Methodology	black board Teaching power point presentation e-learning, use of library esources seminar,workshop,symposium quiz, students exchange program, guest lecture

Evaluation Pattern

Sr.No.	Details of the Evaluation	**Marks**
1	External exam	50 %
2	Internal Exam	50 %

सहायक संदर्भ ग्रंथ :

1 . मानव मूल्य और साहित्य – धर्मवीर भारती

2 . साहित्य और मानव – मूल्य – डॉ. पशुपतिनाथ उपाध्याय

3. मानव मूल्य और हिन्दी साहित्य – संपादक – प्रो. पूरनचंद टंडन

4 . Pustak.org

5 .कहानीःनयी कहानी – नामवर सिंह

6. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

7. नयी कहानी-संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

8. हिन्दी कहानी का विकास – डॉ. देवेश ठाकुर

9. हिन्दी कहानीः अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

10. प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा

11. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद प्रकाश

12. हिन्दी कहानी :प्रक्रिया और पाठ – सुरेश चौधरी

13 e-PG Pathshala

14 ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of In

15 epustakalay.com

16 eGyankosh

17 hindikunj.com

18 e – Adhyayan

19 e Gadyakosh